



विधिक सेवा दिवस - 2018



सत्यमेव जयते

09-11-2018

विधिक सेवा प्राधिकरण आपके कानूनी अधिकारों के संरक्षण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

विधिक सेवा प्राधिकरण के उद्देश्य:

- 1) निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करना
- 2) कानूनी साक्षरता फैलाना
- 3) लोक अदालतों का आयोजन करना
- 4) विवाद निपटारे के लिए वैकल्पिक समाधानों को प्रोत्साहन देना
- 5) अपराध पीड़ित व्यक्तियों को मुआवजा देना

निःशुल्क कानूनी सेवाएं प्राप्त करने के लिए निम्न व्यक्ति पात्र हैं:

- 1) महिला और बच्चे
- 2) अनुसूचित जाति/जनजाति के सदस्य
- 3) औद्योगिक कामगार
- 4) बड़े पैमाने पर प्राकृतिक/औद्योगिक आपदा, जातीय हिंसा, बाढ़, सूखा, भूकंप से पीड़ित
- 5) विकलांग व्यक्ति
- 6) हिरासत में व्यक्ति
- 7) वे व्यक्ति जिनकी वार्षिक आय 1 लाख रुपये से कम है या जो आय सीमा केन्द्र/राज्य सरकार अधिसूचित करती है
- 8) मानव तस्करी या बेगार से पीड़ित

निःशुल्क कानूनी सेवा सभी दीवानी, फौजदारी, राजस्व व प्रशासनिक मुकदमों के लिए दी जाती है।

निःशुल्क कानूनी सेवाएं प्रदान करने के लिए निम्नलिखित विधिक सेवाएं संस्थाएं हैं:

- 1) राष्ट्रीय स्तर पर : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण
- 2) राज्य स्तर पर : राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
- 3) जिला स्तर पर : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण
- 4) उप मंडल/तालुका : उप मंडल/तालुका विधिक सेवा समिति स्तर पर
- 5) उच्च न्यायालय : उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति स्तर पर
- 6) उच्चतम न्यायालय: सर्वोच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति स्तर पर

निःशुल्क कानूनी सेवाएं प्राप्त करने के लिए आप अपने निकटतम विधिक सेवा संस्था, फ्रंट ऑफिस (जिला न्यायालय परिसर/वैकल्पिक विवाद समाधान केन्द्र में), लीगल सर्विसिज क्लीनिक अथवा Nalsa online portal <http://www.nalsa.gov.in/slams> या टोल फ्री नम्बर 15100 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

H.P. State Legal Services Authority

हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,

ब्लॉक नं0 22, एस.डी.ए. कम्प्लैक्स, कसुम्पटी, शिमला-171009 दूरभाष: 0177-2623862 फैक्स-2626962

हैल्पलाईन: 94180-33385, टोल फ्री नं0.15100 वैबसाइट: <http://hpslsa.nic.in>